भारत सरकार

भारी उद्योग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1478

दिनांक 28.07.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए नियत

वाहनों पर ई20 ईंधन के प्रभाव

1478. एडवोकेट प्रिया सरोजः

क्या भारी उद्योग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने ई20-अनुकूल इंजनों की शुरुआत से पहले निर्मित वाहनों के इंजन प्रदर्शन, ईंधन दक्षता और रखरखाव लागत पर ई20 ईंधन के प्रभाव के संबंध में कोई स्वतंत्र अध्ययन कराया है;

(ख) कथित तौर पर ई20 ईंधन से जुड़े माइलेज में कमी, इंजन की क्षति या कलपुर्जों की खराबी के संबंध में उपभोक्ताओं से प्राप्त शिकायतों की संख्या का राज्य-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या किसी ऑटोमोबाइल निर्माता ने पुराने वाहनों में ई20 के उपयोग के संबंध में तकनीकी चिंताएं व्यक्त की हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार ने ई20 को अपनाने में उत्पन्न होने वाले संशोधनों, मरम्मत या कम ईंधन दक्षता के कारण वाहन स्वामियों पर पड़ने वाले अतिरिक्त वित्तीय बोझ का आकलन किया है; और

(ङ) क्या सरकार का गैर-ई20-अनुकूल वाहनों के स्वामियों के लिए कोई परामर्श, मुआवजा तंत्र या संक्रमण सहायता जारी करने का विचार है?

उत्तर

भारी उद्योग राज्य मंत्री

(श्री भूपतिराजू श्रीनिवास वर्मा)

(क): एथेनॉल ब्लेंडिंग ईंधन के साथ वाहनों की अनुकूलता तथा माइलेज/ईंधन दक्षता से संबंधित पहलुओं का व्यापक परीक्षण करने के लिए नीति आयोग के अधीन दिनांक 26 दिसंबर, 2020 को एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) का गठन किया गया था। इस आकलन को इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल), ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एआरएआई) तथा सोसायटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (एसआईएएम) द्वारा किए गए अनुसंधान का समर्थन प्राप्त था। एआरएआई, एसआईएएम, आईओसीएल, आईआईपी तथा ऑटोमोबाइल विनिर्माताओं द्वारा इंजन की स्थिरता, संचालन क्षमता, शीत प्रारंभ क्षमता, संक्षारण प्रतिरोध, सामग्री की अनुकूलता, ईंधन प्रणाली की विश्वसनीयता, उत्सर्जन निष्पादन तथा ईंधन दक्षता से संबंधित व्यापक प्रयोगशाला अध्ययनों एवं व्यावहारिक परीक्षणों से यह पुष्टि हुई है कि निर्धारित मानकों के

अंतर्गत किया गया ई20 का उपयोग सुरक्षित है। ऑटोमोबाइल विनिर्माता, कॉम्पोनेंट आपूर्तिकर्ता, एसआईएएम, एआरएआई, परीक्षण एजेंसियां तथा तेल विपणन कंपनियां ई20 के वैज्ञानिक मूल्यांकन एवं चरणबद्ध कार्यान्वयन के प्रत्येक चरण में सहभागी रही हैं। ई20 को ईंधन प्रणाली, इंजन की स्थिरता, संचालन क्षमता, सामग्री की अनुकूलता तथा उत्सर्जन निष्पादन के सफल सत्यापन के उपरांत ही लागू किया गया। इन अध्ययनों में निर्धारित परिचालन परिस्थितियों के अंतर्गत प्रचलित वाहनों के निष्पादन, स्थिरता अथवा सामग्री की अनुकूलता पर किसी भी प्रकार के उल्लेखनीय प्रतिकूल प्रभाव का कोई साक्ष्य प्राप्त नहीं हुआ।

(ख): भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा ऐसा कोई आंकड़ा संकलित नहीं किया जाता है।

(ग): ऑटोमोबिल निर्माताओं द्वारा भारी उद्योग मंत्रालय को ऐसी किसी भी तकनीकी समस्या से अवगत नहीं कराया गया है।

(घ): भारी उद्योग मंत्रालय द्वारा ऐसा कोई आकलन नहीं किया गया है।

(ङ): ऐसा कोई प्रस्ताव भारी उद्योग मंत्रालय के विचाराधीन नहीं है।

****